शिक्षा मनोविज्ञान का क्षेत्र(Scope of Educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान की विषय-सामग्री को निश्चित करते हुए विद्वानों ने अपने विचार दिए :

लिण्डग्रेन के अनुसार "शिक्षा मनोवैज्ञानिकों का सम्बन्ध तीन केन्द्र बिन्दुओं से है, और वे हैं- (a) शिक्षार्थी (b) सीखने का प्रक्रम (C) सीखने की परिस्थितियाँ। वास्तव में ये शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में आते हैं।

शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में निम्नलिखित का अध्ययन किया जाता है -

A. शिक्षार्थी से सम्बन्धित अध्ययन : शिक्षक, अभिभावक को बालक या शिक्षार्थी के बारे में पूर्ण ज्ञान प्राप्त हो। शिक्षार्थी का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने के लिए निम्न बातों का अध्ययन आवश्यक है:

1. वंशानुक्रम एवं वातावरण का अध्ययन (Study of Heredity and Environment): शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत बालक के वंशानुक्रम और वातावरण का अध्ययन करते

2. बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन (Study of Various Stages of Child) :

(a) शारीरिक विकास (Physical Development)

(b) मानसिक विकास (Montal Development)

(c) संवेगात्मक विकास (Emotional Development)

B. सीखने की प्रक्रिया (Learning Process) से सम्बन्धित अध्ययन: शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य व्यक्ति को सिखाना है। बालक शैक्षिक परिस्थितियों द्वारा प्रेरित होकर आन्तरिक और बाह्य अनुक्रियाएँ करता है जिनके फलस्वरूप यह

सीखता है। अतः सीखने की प्रक्रिया के अन्तर्गत निम्न बातों का अध्ययन करते हैं -

1. सीखने की प्रकृति (Nature of Learning): शिक्षा मनोविज्ञान, सीखने के सिद्धान्त, सीखने के नियम, सीखने की विभिन्न विधियों तथा सीखने में दण्ड और पुरस्कार के महत्व का अध्ययन करता है और इस बात का पता लगाता है कि सोखने की प्रक्रिया में इन सबका उपयोग किस प्रकार किया जाये।

2. सीखने में अभिप्रेरण (Motivation) का स्थान : शिक्षा मनोविज्ञान, इस बात का भी अध्ययन करता है कि सीखने में अभिप्रेरण का क्या महत्व है और इसके द्वारा सोखने की प्रक्रिया को कैसे सफल बनाया जा सकता है।

3. अधिगम का स्थानान्तरण (Transfer of Learning): इसका अर्थ है कि इसका सीखने में क्या महत्व है, यह स्थानान्तरण किस प्रकार सम्भव है, तथा स्थानान्तरण के क्या सिद्धान्त हैं, इन सबका शिक्षा मनोविज्ञान अध्ययन करता है।

4. स्मृति और विस्मृति (Memory and Forgetting): शिक्षा मनोविज्ञान, स्मृति क्या है? को जानने की कोशिश करता है। इसकी क्या विशेषताएँ हैं? इसके नियम और विधियाँ क्या हैं? इसके अतिरिक्त शिक्षा मनोविज्ञान इस बात का भी अध्ययन करता है कि विस्मृति क्या है? इसके कारण निवारण के क्या उपाय हैं?

C. सीखने की परिस्थिति (Learning Situation) सम्बन्धी अध्ययन : अधिगम को सफल बनाने के लिए सीखने को अच्छी परिस्थितियों का होना आवश्यक है। सीखने की अच्छी परिस्थितियों को उत्पन्न किए बिना शिक्षक सफल नहीं हो सकता।

1. शिक्षक (Teacher) सम्बन्धी अध्ययन: सीखने की परिस्थितियों में शिक्षक का महत्वपूर्ण स्थान होता है। शिक्षक अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करता है। शिक्षा

मनोविज्ञान का कार्य शिक्षक के व्यक्तित्व उसकी विशेषताएँ और शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन करना भी होता है।

2. कक्षा (Class-Room) सम्बन्धी अध्ययन: शिक्षा मनोविज्ञान इस बात का भी अध्ययन करता है कि कक्षा में किस प्रकार का वातावरण हो जिससे सीखने की प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके। इसके लिए यह विभिन्न शिक्षण विधियाँ, उनके कार्यान्वयन, उपयुक्त विषयों के चुनाव निर्देशन एवं उपयुक्त अनुशासन आदि का अध्ययन करता है।

D. मापन व मूल्यांकन (Measurement and Evaluation) सम्बन्धी अध्ययन इसके अन्तर्गत शैक्षिक उपलब्धि एवं विषय योग्यता का मापन तथा बुद्धि, व्यक्तित्व की माप के लिए विभिन्न साधनों, विधियों, परीक्षणों और सांख्यिकी का प्रयोग किया जाता है ।